पत्रकार कार्यशाला

(1)

दैनिक जागरण मेरठ
30 अक्टूबर-2014

पत्रकारों को दी विद्युत संचालन केंद्र की जानकारी

बुलंदशहर: नरोरा परमाणु विद्युत केन्द्र ने जन जागरुकता अभियान के तहत पत्रकार कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में सुरक्षित, पर्यावरण हितकारी एवं मितव्ययी ऊर्जा का उत्पादन करने वाले एनपीसीआईएल की कार्यप्रणाली के बारे में पावर प्वाइंट पर प्रोजेक्टर के माध्यम से जानकारी दी गई। केन्द्र निदेशक डी.एस. चौधरी ने कहा कि सभी को पर्यावरण संरक्षण लैब, कट्रोल सेक्शन एवं प्रशिक्षण विभाग में केन्द्र में प्रयोग किए जाने वाले संसाधनों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर केन्द्र निदेशक डी.एस. चौधरी ने विद्युत आपूर्ति की बढ़ती मांग पर कहा कि नरोरा परमाणु विद्युत केन्द्र की 220-220 मेगावाट की दोनों इकाईयां अपनी उच्च क्षमता पर विद्युत उत्पादन कर रही हैं। इस अवसर पर मुख्य अधीक्षक ए.के. दत्ता, ,खगेश शर्मा, मुकेश शर्मा, भास्कर शर्मा, रामदास एवं केन्द्र के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। संचालन एम. के. टन्डन ने किया।

इस सत्र का दो करोड़ का बजट पास : केन्द्र द्वारा सीएसआर कार्यक्रम के तहत जनहित की मूलभूत सुविधाओं जैसे चिकित्सा,शिक्षा एवं इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी ध्यान दिया जाता है। इसके लिए एनपीसीआईएल द्वारा एक अतिरिक्त बजट की व्यवस्था की जाती है। सीएसआर के तहत पिछले तीन वर्षो में 4.64 करोड़ खर्च किया गया है। वर्ष 2014-15 में दो करोड़ का बजट पास हुआ है।

हिन्दुस्तान मेरठ
30 अक्टूबर-2014

एनपीसीआईएल का लक्ष्य पर्यावरण हितकारी

नरौरा | हमारे संवाददाता

कार्यशाला

- डिबाई, गुन्नौर, अनूपशहर, अतरौली के पत्रकार शामिल
- नाभकीय ऊर्जा के बारे में मीडिया को बताने के लिए हुई कार्यशाला

राष्ट्र की बढ़ती विद्युत आवश्कताओं को पूरा करने को एनपीसीआईएल संकल्पित है। इसका लक्ष्य नाभिकीय ऊर्जा तकनीक को विकसित कर सुरक्षित, पर्यावरण हितकारी और मितव्ययी ऊर्जा का उत्पादन करना है। यह बातें एनएपीएस निदेशक डीएस चौधरी ने पत्रकार कार्यशाला में कहीं। कार्यशाला में विद्युत केन्द्र के समीप डिबाई, गुन्नौर, अनूपशहर और अतरौली तहसीलों के पत्रकारों ने हिस्सा लिया।

जनजागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को सयंत्र स्थल स्थित ऑडीटेरियम में आयोजित इस एक दिवसीय पत्रकार कार्यशाला का शुभारंभ निदेशक डीएस चौधरी, मुख्य अधीक्षक एके दत्ता एवं पत्रकारों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद प्रशिक्षण अधीक्षक गौरव शर्मा ने परमाणु केन्द्र की कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि नरौरा की 220-220 मेगावाट की दोनों यूनिटें उच्च क्षमता घटक पर विद्युत उत्पादन कर रही हैं। पर्यावरण सर्वे लैब के वैज्ञानिक वाईपी गौतम ने संयंत्र व आसपास के पर्यावरण के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ प्रबंधक जनसंपर्क एमके टंडन ने सीएसआर के तहत परमाणु केन्द्र के आसपास क्षेत्र में आधारभूत ढांचे, शिक्षा, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में किए गए विकास पर प्रकाश डाला। प्रतिभागीयों को संयंत्र का भ्रमण कराया और अंत में फीडबैक परिचर्चा में निदेशक डीएस चौधरी ने प्रश्नों के समाधान किए। कार्यशाला में तीनों तहसीलों के दर्जनों पत्रकार अधिकारियों में एस पात्रा, केसी राकेश, सत्यजित पात्रा आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा नई दिल्ली
30 अक्टूबर-2014

पत्रकार समाज का दर्पण : चौधरी

नरौरा/बुलंदशहर (एसएनबी)। नरौरा परमाणु विद्युत केन्द्र द्वारा आयोजित पत्रकार कार्यशाला में केन्द्र निदेशक डीएस चौधरी ने कहा है कि पत्रकार समाज का अहम हिस्सा है वह समाज को सही दिशा दे सकते है क्योंकि समाज के एक बड़े वर्ग तक इनकी सीधी पहुंच होती है। इस मौके पर डिबाई, गुन्नौर, अनूपशहर, अतरौली आदि के पत्रकार शामिल रहे।

परमाणु विद्युत केन्द्र निदेशक डीएस चौधरी ने बताया कि राष्ट्र की बढ़ती विद्युत आवश्यकता की पूर्ति को एनपीसी आईएल का लक्ष्य नाभिकीय ऊर्जा तकनीक का विकास कर सुरक्षित पर्यावरण हितकारी व मितव्ययी ऊर्जा का उत्पादन करना है। इसी कड़ी में नरौरा परमाणु केन्द्र की 220-220 मेगाबाट की दोनों इकाइयां अपनी उच्च क्षमता पर विद्युत उत्पादन कर रही है। संयंत्र में कई सुरक्षा प्रणाली अपनाई जाती है। परमाणु बिजलीघर क्षेत्र के विकास के लिए सीआर कार्यक्रम चलाता है। पिछले तीन वर्षों में करीब साढ़े चार करोड़ की धनराशि क्षेत्र विकास पर खर्च की गई है। बिजलीघर के सीएस ऐके दत्ता, ट्रेनिंग अधीक्षक गौरव शर्मा, अनुरक्षण अधीक्षक एस पात्रा आदि ने भी विचार रखे। बीएआरसी की ईएसएमएल लैब के वाईपी गौतम ने संयंत्र के आसपास लिए जाने वाले सैंपल की जानकारी देते बताया कि बिजलीघर के आसपास विकिरण का प्रभाव नगण्य है। कार्यक्रम का संचालन महेश टंडन ने किया।

पत्रकार कार्यशाला

अमर उजाला बुलन्दशहर
30 अक्टूबर-2014

'परमाणु ऊर्जा एक मात्र विकल्प'

नरौरा/डिबाई। नरौरा परमाणु संयंत्र (एनएपीएस) के निदेशक डीएस चौधरी ने कहा कि देश की बढ़ती ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए परमाणु ऊर्जा ही एकमात्र विकल्प है। उन्होंने यह बात नरौरा परमाणु संयंत्र परिसर में डिबाई, अनूपशहर, अतरौली और गुन्नौर तहसील के पत्रकारों की कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि संयंत्र में दोहरी सुरक्षा प्रणालियों को अपनाया गया है। संयंत्र के सभी सिस्टम की मानीटरिंग अत्याधुनिक कंट्रोलरूम से की जाती है। एनपीसी में सेफ्टी फर्स्ट, प्रोडक्शन नेक्स्ट के आधार पर कार्य किया जाता है। साथ ही क्षेत्र के विकास के लिए युवाओं को रोजगार परक शिक्षा देने के लिए स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। इस दौरान प्रशिक्षण अधीक्षक गौरव शर्मा, वरिष्ठ अभियंता एस पात्रा, सत्यजीत पात्रा, केसी राकेश, मुकेश शर्मा, रामदास आदि रहे। संचालन महेश टंडन ने किया।

दैनिक जागरण अलीगढ़
30 अक्टूबर-2014

नरौरा परमाणु केंद्र से नहीं है रेडिएशन का कोई खतरा

◆ परमाणु केंद्र में जनजारूकता के लिए हुई कार्यशाला

नरौरा में स्थित परमाणु केंद्र।

अतरौली : नरौरा परमाणु केंद्र में बुधवार को जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत कार्यशाला हुई, जिसमें केंद्र के निदेशक डीएस चौधरी ने कहा कि एनपीसीआइएल का लक्ष्य नाभिकीय ऊर्जा तकनीक का विकास करना है। उन्होंने बताया कि नरौरा परमाणु केंद्र से रेडिएशन फैलने का खतरा कतई नहीं है। रेडिएशन फैलने से रोकने को विभिन्न सुरक्षा इंतजाम यहां मौजूद हैं। समय समय पर आसपास के इलाके के मिट्टी, पानी, दूध, फसल आदि की जांच भी की जाती है। केंद्र निदेशक ने बताया कि गंगा नरौरा परमाणु केंद्र से कतई प्रदूषण मुक्त है। इसके अलावा नरौरा परमाणु विद्युत केंद्र सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक क्षेत्र में भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक एमके टंडन, प्रशिक्षण अधीक्षक गौरव शर्मा, एके द्त्ता, केसी रमेश, भाष्कर शर्मा आदि थे। केंद्र निदेशक डीएस चौधरी ने बताया कि नरौरा परमाणु केंद्र की योजना में स्कूलों में शौचालय, प्रयोगशाला, भवन आदि बनवाने, पास के गांवों में इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण, पांच किमी के एरिया में विद्युत आपूर्ति का ढांचा ठीक करना, बच्चों को कंप्यूटर व विकलांगों को ट्राई साइकिल बांटना शामिल किया गया है।

पत्रकार - कार्यशाला

(3)

हिन्दुस्तान मुरादाबाद • गुरुवार • 30 अक्तूबर 2014

नरौरा परमाणु केंद्र से नहीं जनजीवन को कोई खतरा

गुन्नौर | हिन्दुस्तान संवाद

संगोष्ठी

- किसी अप्रिय हालात में महज दो सेकेंड में खुद बंद हो जायेगा केंद्र
- नरौरा परमाणु केंद्र का हुआ जनजागरूकता कार्यक्रम

नरौरा परमाणु केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में परमाणु विद्यत उत्वान केंद्र के निदेश डीएस चौधरी ने कहा कि नरौरा परमाणु केंद्र से किसी भी हालत में आसपास रहने वाले लोगों को किसी तरह का कोई खतरा नहीं है।

निदेशक डीएस चौधरी ने कहा कि राष्ट्र में बढ़ती विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एनपीसीआईएल का लक्ष्य नाभिकीय उर्जा का विकास करते हुए सुरक्षित पर्यावरण हितकारी उर्जा का उत्पादन करना है। नरौरा परमाणु केंद्र पर 220 मेगावाट की दो इकाईयां विद्युत उत्पादन कर रही हैं। जिनमे प्राकृतिक यूरेनियम का प्रयोग ईंधन के रूप में तथा भारी पानी का उपयोग मांडरेटर एवं कूलेंट के रूप में किया जा रहा है। प्लांट में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। इस परमाणु विद्युत केंद्र की बनावट अन्य विद्युत केंद्रों से अलग है। इस प्लांट मे प्राथमिक तथा द्वितीयक शटडाउन की दो प्रणालियां है। किसी भी खतरे पर संयत्र दो सैकेंड से भी कम समय मे स्वतः बंद हो जायेगा। मानीटरिंग अत्याधुनिक कंट्रोल रूम से की जाती है।

उन्होंने कहा कि प्रतिदिन निशुल्क चिकित्सा परामर्श तथा दवाओं का वितरण, वर्ष में दो बार नेत्र चिकित्सा शिविर, गांव मे इंटर लाकिंग सड़क, स्कूलों मे अध्ययन कक्ष, प्रयोगशाला, कम्प्यूटर सेट, बाउड्रीवाल का निर्माण, गरीब प्रतिभावान बच्चों को केंद्रीय विद्यालय मे प्रवेश आदि कार्य कराये जा रहे हैं। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक एमके टंडन, एके दत्ता, गौरव शर्मा आदि रहे।

हिन्दुस्तान अलीगढ़ • गुरुवार • 30 अक्तूबर 2014

नरौरा परमाणु ऊर्जा केंद्र की कार्यशाला में बिजली कैसे बनती है, यह जानकारी दी।

नरौरा परमाणु केंद्र से नहीं है पर्यावरण को विकरण का खतरा

डिबाई /नरौरा | हिन्दुस्तान संवाद

नरौरा परमाणु बिजलीघर ने जनजागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत एक कार्यशाला में नरौरा,डिबाई, अनूपशहर, अतरौली, बबराला,गुन्नौर बताया कि केन्द्र निदेशक डीएसचौधरी ने कहा कि बिजली उत्पादन का परमाणु ऊर्जा एक बेहतर विकल्प है।

उन्होंने बताया कि इसमें कहीं कोई शक की गुंजाइश नही है कि इस बिजलीघर से कोई भी हानिकारक विकिरण नहीं है। उन्होंने अपने सहयोगियों के माध्यम से स्लाइडें दिखाकरइस बात को सिद्ध किया कि एक मानव को प्राकृतिक व एक्सरे, कैट स्कैन के माध्यम से जितना रेडियेशन मिलता है इस केन्द्र से तो वह कई गुना ज्यादा है।

जन संपर्क अनुभाग